के वार्षिक आबंटन, आवश्यक उपकरणों की सप्लाई करने में स्वदेशी निर्माताओं द्वारा लिए जाने वाले समय तथा समग्र प्राथमिकताओं पर निर्भर करते हुए चरणबद्ध ढंग से स्थापित किए जा सकते हैं ।

(ख) इन स्कीमों के कार्यान्वयन के लिए सातवीं योजना में लगभग 35 करोड़ रुपए के परिव्यय का आबंटन किया गया है ।

नई दिल्ली में अशोक रोड में दूषित पेयजल की सप्लाई

1588. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को अशोक रोड क्षेत्र, नई दिल्ली में दूषित पेयजल की सप्लाई के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस संबंध में क्या उपचारी उपाय किए गए हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह) : (क) और (ख) जी नहीं, तथापि, कभी-कभी मटमैले पानी की शिकायतें प्राप्त हुई हैं । जिन्हें तत्परता से दूर कर दिया जाता है ।

(ग) सम्पूर्ण नई दिल्ली नगरपालिका क्षेत्र में स्वच्छ पानी की सप्लाई का अध्ययन मैसर्स टाटा कनसल्टिंग इंजीनियर्स को सौंपा गया है और 3 से 4 महीने में उनकी अन्तिम रिपोर्ट प्राप्त हो जाने की आशा है । सी०आई० सिस्टम के जो भाग बहुत पुराने हो गए हैं उन्हें बदलने के भी प्रस्ताव हैं ।

Distribution of Surplus Land in Village Bhalaswa, Jehangirpur, Delhi

1589. SHRI F. M. KHAN : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) what is the area of land with Khasra numbers vested with the Gram Sabha Bhalaswa, Jehangirpur, Delhi after the Land Reforms Act, 1954 and the Land Ceiling Act, 1960 came in force ;

(b) the area of surplus land acquired by Government, the amount of compensation paid and the area of such land vested with the Gram Sabha, Bhalaswa :

(c) number of persons in unauthorised occupation of the Panchayat land and the area of land under their occupation :

(d) the area of surplus land distributed amongst the rural landless, the number of the persons to whom land was allotted and the area of land yet to be distributed ;

(e) whether some allottees of surplus land have been dispossessed and whether Government received complaints to that effect during the last three years ; and

(f) if so, what are the details in this regard and what action has been taken by Government ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT (SHRI RAMANAND YADAV) : (a) to (f) Informatin will be furnished as soon as it is received from the Delhi Administration which has been addressed in the matter.

कोरबा उर्वरक परियोजना

1590. **श्री शरद यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के बिलासपुर जिले के कोरबा नामक स्थान में तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा "कोरबा उर्वरक परियोजना" का शिलान्यास 1973 में किया गया था ;

(ख) क्या इस परियोजना के लिये मशीनें, जमीन, तथा अन्य निर्माण कार्यों पर पचास करोड़ रुपए, खर्च किये जा चुके हैं ;

(ग) क्या इस परियोजना के रख-रखाव पर प्रतिमास 5 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं ; और

(घ) क्या यह सच है कि कोयला पर आधारित इस उर्वरक कारखाने के लिए केन्द्रीय सरकार ने अपेक्षित धनराशि उपलब्ध नहीं करायी है, यदि हां, तो क्या सरकार इसे प्रयोजनार्थ अपेक्षित धनराशि उपलब्ध कराने का विचार रखती है ?

उर्वरक विभाग में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) (क) जी, हां ।

(ख) 31 मई, 1986 तक कारबा परियोजना पर 18.24 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है ।

(ग) वेतन, मजदूरी एवं रख-रखाव पर लगभग 2.5 लाख रु० का मासिक व्यय होता है ।

(घ) आरम्भ से संसाधन बाधाओं के कारण कोरबा उर्वरक परियोजना का कार्यान्वयन स्थगित कर दिया गया था । तत्पश्चात् यह निर्णय लिया गया कि तालचर एवं रामागुण्डम स्थित कोयले पर आधारित दो अन्य उर्वरक संयंत्रों में उत्पादन स्थिर हो जाने के पश्चात ही परियोजना के आगामी कार्यान्वयन पर विचार किया जायेगा ।

Enquiry into the working of Durgapur, Bokaro and IISCO Steel Plants

1591. SHRI VIRENDRA VERMA : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to refer to the reply to Starred Question 124 given in Rajya Sabha on 25th July, 1986 and state :

(a) what are the reasons for incurring losses by the Durgapur, Bokaro and IISCO Steel Plants to the tune of Rs. 425.30, Rs. 108.22 and Rs. 335.81 crores, respectively;

(b) whether any inquiry into the working of these steel plants has been made by Government ; and

(c) if so, what is the result thereof stating whether any responsibility for the unsatisfactory performance of these steel plants has been fixed ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI K. C. PANT): (a) The main reasons for which the steel plants at Durgapur, Bokaro and Burnpur have incurred losses are the following :

Durgapur Steel Plant :

(1) Low capacity utilisation due to various external constraints and other technological reasons;

(2) Unremunerative prices particularly of railway products like wheels, axles, fish plates and sleepers in the past;

(3) Higher production of unremunerative items like semis, bars and roads in the total product-mix;

(4) Ageing of the Plant and outmoded technology resulting in high consumption of energy and usage of costly furnace oil in the Open Hearth process for steel making, low yields and uneconomic operations.

Bokaro Steel Plant :

In the initial years, Bokaro Steel Plant had incurred losses but now the plant has been making profit from 1981-82. The accumulated loss of Rs. 108.22 crores as on 31-3-1985 is likely to be almost wiped out by the anticipated profit for 1985-86. The accounts for the year 1985-86 are under finalisation and audit.